स्मरणे ओंदे सालदे गोविंदन
नाम ओंदे सालदे ॥पल्लवि॥
परम पुरुषनन्नु नेरे नंबिदवरिगे
दुरित बाधेगळ गुरुतु तोरुवुदे ॥
कडु मूर्खनादरेनु दुष्कर्मदिं तोडेदातनादरेनु
जडनादरेनल्पजातियादरेनु
बिडदे प्रह्लादन्न सलहिद हरिय ॥१॥
पातकियादरेनु सर्वप्राणि घातकियादरेनु
नीतिय बिट्टु दुष्कर्मियादरेनु
प्रीतियिंदजामिळन सलहिद हरिय ॥२॥
सकल तीर्थयात्रेय माडिदंथ निखिल पुण्यद फलवु
भकुति पूर्वकवागि बिडदनुदिनदल्लि
प्रकट पुरंदर विठलन नामद ॥३॥